



रजत कुमार गुप्ता

लोग सही कहते हैं कि समय खारब होता है तो रसीदी नी सांप बन जाता है।

अमीरी भारतीय राजनीति में कुछ ऐसा ही चल रहा है। जिन मुद्दों को मुर्ता बताकर दबाया गया था, वे गाहे बगाहे कहीं न कहीं से फन काढ़कर खाए हो रहे हैं। अब देखिये अडाणी मुद्दे को ठड़े बस्ते में डाला गया था।

तो उस कंपनी के ऑडिटोरों के लगातार माग जाने का माला खड़ा हो गया।

तरफ सीएजी ने लगातार कई रिपोर्ट जारी कर इस मोटी सरकार के काम काज पर सवाल खड़े कर दिये। यह सब कुछ उस हवाई चुंबन के रिपलेक्ट होकर कहीं जा टक्काने के बाद से हो रहा है।

चुम्मा वह भी हवाई पर बम जैसा फट गया है

दु

म्मा वह भी हवाई यानी अंग्रेजी में फ्लाईंग किस ने अचानक से सुस्त पड़ी यूपी की राजनीति को गरमा दिया। हर बार राहुल गांधी पर जोरदार अंग्रेज लगाने वाली समृद्ध ईरानी इस बार खुद ही इस चुम्मा बम से घायल हो गयी। अब बदलते समीकरणों में उन्हें इसका चुनावी लाभ मिलेगा या उकसान होगा, वह देखने लायक बात होगी। फिर भी अनेक वैज्ञानिक वह समझने और दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि दरअसल अगर वार्कइंग राहुल ने फ्लाईंग किस किया था तो वह समृद्ध ईरानी की तरफ नहीं था। आसने पर भैं ओम बिड़ला की तरफ यह इशारा था।

राहुल पर कैमरा फोकस नहीं रखने के अद्यश निर्देश की वजह से टीवी पर इस कार्यवाही को देखने वाले साफ साफ कुछ नहीं देख पाये। बाद में लोकसभा टीवी की तरफ से साफ किया गया कि ऐसी काइंघटना नहीं थी। फिर भी मेरे जैसे कई शक्ती की लोग यह मानते हैं कि शायद इस घटना में हवाई चुंबन के रिपलेक्ट होकर कहीं जा टक्का है। हालांकि ने विज्ञान में पढ़ा था कि प्रकाश किरणों का परावर्तन कैसे होता है। किसी सतह से टक्कराने के बाद प्रकाश किए जिस तरीके से परावर्तित होकर समान कोण पर आगे बढ़ती है, तो क्या समाने विकें लोकसभा अध्यक्ष ने टक्कराकर यह हवाई चुंबन दूसरी तरफ खड़ी स्मृति ईरानी की तरफ नहीं जा सकता है। गर्नीमत है कि तुरंत बाद ही भाजपा वाले इस मुद्दे पर हंगामा करने से पीछे हट गये क्योंकि असली मुद्दा तो मणिपुरी था।

लोग सही कहते हैं कि समय खारब होता है तो रसीदी नी सांप बन जाता है। अभी भारतीय राजनीति में कुछ ऐसा ही चल रहा है। जिन मुद्दों को मुर्ता बताकर दबाया गया था, वे गाहे बगाहे कहीं न कहीं से फन



काढ़कर खड़े हो रहे हैं। अब देखिये अडाणी मुद्दे को ठंडे बस्ते में डाला गया था तो उस कंपनी के ऑडिटोरों के लगातार भाग जाने का मसला खड़ा हो गया। दूसरी तरफ सीएजी ने लगातार कई रिपोर्ट जारी कि इस सीधे सरकार के काम काज पर सवाल खड़े कर दिये। यह सब कुछ उस हवाई चुंबन के रिपलेक्ट होकर कहीं जा टक्का के बाद से हो रहा है।

इसी बात पर हवाई फिल्म हम का यह गीत याद आने लगा है। इस गीत को लिखा था आनंद बक्षी ने और संगीत में ढाला था लक्ष्मीकांत प्यारेलाल ने। इसे खुद फिल्म के हीरो अमिताभ बच्चन ने अपना स्वर दिया था। गीत के बोल कुछ इस तरह हैं - जुम्मा, जुम्मा, जुम्मा, जुम्मा जुम्मा, जुम्मा जुम्मा जुम्मा जुम्मा जुम्मा जुम्मा जुम्मा जुम्मा मैं तेरा भर दूँ सोचा था हाँ कर दूँ और जिसको अपने स्वास्थ्य की रसी भर भी चिंता है उसे चिंता करना शुरू कर देना चाहिए। -दोस्त सूरचना मोड से प्रवर्चन मोड में आ रहा था।

आदीनी नियमित चिंता करता रहे तो उसका वजन घटना रहता है। चाहे जो खाए नियंत्रण में रहता है। हमारे यहाँ पलते हैं और जिसको अपने स्वास्थ्य की रसी भर भी चिंता करते हैं। कौन कहता है दुनिया में साधुवाद युग का शाद हो गया। ये तो हमींस्तो, हमींस्तो वाला सीन है। हमने पूछाना शुरू किया-

सुना है आजकल तुम रोज चिंता करते हैं! हाँ आजकल तुम रोज चिंता करते हैं! हाँ आजकल रोज चिंता करते हैं! कैसे हो गए। ऐसा कैसे हुआ? हम जिन्सु बन गए।

ये इसी 'चिंता थेरेपी' से हुआ। हम रोज नियमित एक घंटा चिंतित हो लेते हैं। जब से चिंतित होना शुरू किया था शान से खाते हैं, शान से सोते हैं। मारिंग बाक, एविंग वाक को अपने रूलीन से फिल्मीट कर दिया। डम तो कहते हैं कि जिसको अपने स्वास्थ्य की रसी भर भी चिंता है उसे चिंता करना शुरू कर देना चाहिए। -दोस्त सूरचना भर के लिए खिंचता है दुनिया भर में शांति दुबला होता है। इसलिए ये देखे विवरण हमें बोला-आओ, आओ बैठो। इतनी खुब। लेकिन हम कुछ पूछें इससे पहले ही देश के बाहर करने के लिए इन चिंतित होता है। जब देश को तेजी से बदलने में देखक पोज देती नजर आ रही है। इस तर्कीर में पूनम दिल्लों की एक बेहद खूबसूरत बेटी भी है, जिनका नाम पलोमा दिल्लों है।

पलोमा दिल्लों की इंस्टाग्राम पर देरों तस्वीरें मौजूद हैं, जिसे देखने के बाद आप भी उनकी खूबसूरती के कायल हो जाएंगे। 27 साल की पलोमा दिल्लों का इंस्टाग्राम अकाउंट वैसे तो स्टाइलिश तस्वीरों से भरा है, लेकिन इस समय जो तस्वीर उनकी सबसे ज्यादा पसंद की जा रही है, उसमें वे शीशों में देखक पोज देती नजर आ रही है। इस तर्कीर में पूनम दिल्लों की एक बेहद खूबसूरत बेटी भी है, जिनका नाम पलोमा दिल्लों है।

पलोमा दिल्लों की इंस्टाग्राम पर देरों तस्वीरें मौजूद हैं, जिसे देखने के बाद आप भी उनकी खूबसूरती के कायल हो जाएंगे। 27 साल की पलोमा दिल्लों का इंस्टाग्राम अकाउंट वैसे तो स्टाइलिश तस्वीरों से भरा है, लेकिन इस समय जो तस्वीर उनकी सबसे ज्यादा पसंद की जा रही है, उसमें वे शीशों में देखक पोज देती नजर आ रही है। इस तर्कीर में पूनम दिल्लों की एक बेहद खूबसूरत बेटी भी है, जिनका नाम पलोमा दिल्लों है।

चिंता करो, सुख से जियो

ह

मने दोस्त के यहाँ फोन किया। उसके बच्चे ने उठाया। मैंने पूछा -पापा

दुख पकड़ लेता। तुम इतने खुदगर्ज निकलोगे, सोच भी न था। तुमसे ऐसी आशा तो न थी।

लेकिन हम कुछ पूछें इससे पहले ही दोस्त बोले नाड़े वाला पायकाम संभालते हुए आओ, आओ बैठो। इतनी खुब।

सब खैरियत तो है। बेटा मून् दो खोंके अंकल आए हैं। चाय-पाली लाली आओ। मम्मी बुलाओ। देखते आओ सरज किधर निकला है। कौन कहता है दुनिया में साधुवाद युग का शाद हो गया। ये तो हमींस्तो, हमींस्तो वाला सीन है। हमने पूछाना शुरू किया-

सुना है आजकल तुम रोज चिंता करते हैं! हाँ आजकल तुम रोज चिंता करते हैं! हाँ आजकल रोज चिंता करते हैं! कैसे हो गए। ऐसा कैसे हुआ? हम जिन्सु बन गए।

ये इसी 'चिंता थेरेपी' से हुआ। हम रोज नियमित एक घंटा चिंतित हो लेते हैं। जब से चिंतित होना शुरू किया था शान से खाते हैं, शान से सोते हैं। मारिंग बाक, एविंग वाक को अपने रूलीन से फिल्मीट कर दिया। डम तो कहते हैं कि जिसको अपने स्वास्थ्य की रसी भर भी चिंता है उसे चिंता करना शुरू कर देना चाहिए। -दोस्त सूरचना भर के लिए खिंचता है दुनिया भर में शांति दुबला होता है। इसलिए ये देखे विवरण हमें बोला-आओ, आओ बैठो। इतनी खुब। लेकिन हम कुछ पूछें इससे पहले ही देश के बाहर करने के लिए इन चिंतित होता है। जब देश को तेजी से बदलने में देखक पोज देती नजर आ रही है। इस तर्कीर में पूनम दिल्लों की एक बेहद खूबसूरत बेटी भी है, जिनका नाम पलोमा दिल्लों है।

ये इसी 'चिंता थेरेपी' से हुआ। हम रोज नियमित एक घंटा चिंतित हो लेते हैं। जब से चिंतित होना शुरू किया था शान से खाते हैं, शान से सोते हैं। मारिंग बाक, एविंग वाक को अपने रूलीन से फिल्मीट कर दिया। डम तो कहते हैं कि जिसको अपने स्वास्थ्य की रसी भर भी चिंता है उसे चिंता करना शुरू कर देना चाहिए। -दोस्त सूरचना भर के लिए खिंचता है दुनिया भर में शांति दुबला होता है। इसलिए ये देखे विवरण हमें बोला-आओ, आओ बैठो। इतनी खुब। लेकिन हम कुछ पूछें इससे पहले ही देश के बाहर करने के लिए इन चिंतित होता है। जब देश को तेजी से बदलने में देखक पोज देती नजर आ रही है। इस तर्कीर में पूनम दिल्लों की एक बेहद खूबसूरत बेटी भी है, जिनका नाम पलोमा दिल्लों है।

ये इसी 'चिंता थेरेपी' से हुआ। हम रोज नियमित एक घंटा चिंतित हो लेते हैं। जब से चिंतित होना शुरू किया था शान से खाते हैं, शान से सोते हैं। मारिंग बाक, एविंग वाक को अपने रूलीन से फिल्मीट कर दिया। डम तो कहते हैं कि जिसको अपने स्वास्थ्य की रसी भर भी चिंता है उसे चिंता करना शुरू कर देना चाहिए। -दोस्त सूरचना भर के लिए खिंचता है दुनिया भर में शांति दुबला होता है। इसलिए ये देखे विवरण हमें बोला-आओ, आओ बैठो। इतनी खुब। लेकिन हम कुछ पूछें इससे पहले ही देश के बाहर करने के लिए इन चिंतित होता है। जब देश को तेजी से बदलने में देखक पोज देती नजर आ रही है। इस तर्कीर में पूनम दिल्लों की एक बेहद खूबसूरत बेटी भी है, जिनका नाम पलोमा दिल्लों है।

ये इसी 'चिंता थेरेपी' से हुआ। हम रोज नियमित एक घंटा चिंतित हो लेते हैं। जब से चिंतित होना शुरू किया था शान से खाते हैं, शान से सोते हैं। मारिंग बाक, एविंग वाक को अपने रूलीन से फिल्मीट कर दिया। डम तो कहते हैं कि जिसको अपने स्वास्थ्य की रसी भर भी चिंता है उसे चिंता करना शुरू कर देना चाहिए। -दोस्त सूरचना भर के लिए खिंचता है दुनिया भर में शांति दुबला होता है। इसलिए ये देखे विवरण हमें बोला-आओ, आओ बैठो। इतनी खुब। लेकिन हम कुछ पूछें इससे पहले ह

छिनतई → राजधानी में लगातार बढ़ रही है छिनतई की घटना

रांची में दिनदहाड़े दो लाख की छिनतई यूनिफॉर्म हाउस का कर्मचारी बना शिकार



राष्ट्रीय खबर

रांची: शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े छिनतई की वारदात को अंजाम दिया गया है। थाना क्षेत्र के लाइन टैक तालाब के पास बाइक सवार दो अपराधी यूनिफॉर्म हाउस के एक कर्मचारी से पैसों से भरा बैग छीन कर फरार हो गए। इस छिनतई को स्वैच्छरों ने दिनदहाड़े अंजाम दिया और बड़े आराम के साथ फरार भी हो गए। कोतवाली थाना क्षेत्र के पंचवटी प्लाजा में स्थित यूनिफॉर्म हाउस के कर्मचारी अरुण कुमार शनिवार की दोपहर बैंक से दो लाख रुपया निकाल कर फिरायालाल चौक के पांछे स्थित लाइन टैक तालाब रोड से वापस यूनिफॉर्म हाउस लौट रहे थे। जैसे

13 एंबुलेंस को हरी झँडी
दिखाकर किया रवाना
रांचीः डिम्बांड की लाइफ लाइन सेवा 108 एंबुलेंस का उद्घाटन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के हाथों किया गया था। राज्य भर में 206 नवी व पूर्व की 337 एंबुलेंस के संचालन की जिम्मेवारी सिकंदराबाद की कंपनी इएमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विसेज के हाथों में है। रांची जिले को कुल 30 एंबुलेंस का आवाटन किया गया है। इनमें से करीब 22 एंबुलेंस जिले को सौंप दी गयी हैं। बढ़ी हुई एंबुलेंस भी जल्द सौंप दी जायेंगी। वहीं प्रथम चरण में 13 एंबुलेंस को रांची सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार ने हरी झँडी दिखाकर प्रखंडों के लिए रवाना किया।

झारखण्ड के प्रवासी श्रमिक
किसी भी प्रकार की समस्या या
सहायता के लिए दाज्य प्रवासी
कंटोल छग से अवश्य संपर्क करें

 ਟੋਲ ਫ੍ਰੀ ਨੰਬਰ
1800-3456-526

आपका अधिकार

- संवेदक/एजेंट द्वारा मासिक मजदूरी के अलाग प्रवासी श्रमिकों को विस्थापन भता
| के लिए मैं आधे महीने की मजदूरी के बाबत राटि का भुगतान। यह मजदूरी के अतिरिक्त है
 - आने-जाने का किराया तथा यात्रा में व्यतीत हुए समय की भी मजदूरी का भुगतान हेतु एजेंट/गुरुव्य
| नियोजक जिम्मेवार
 - वर्ष में 30 दिन काम करने के पश्चात कुल प्राप्त वेतन का औसत 8.33 प्रतिशत के बाबत बोनस राटि पाने का हफदार
 - महिला श्रमिकों को 80 दिन काम करने के उपरांत 26 सप्ताह के बाबत प्रसूति हित लाभ का भुगतान
 - दूसरे राज्य में प्रवासी श्रमिक को जिःशुल्क रहने व चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने का दायित्व संवेदक/प्रमुख नियोक्ता का
 - प्रतान्त्री श्रमिकों को भी ईम्प्रेसर्स और पीपल लाभ पास करने का अधिकार

दार्शनाक अल्पाद की योजनाएँ

- ◆ सामाजिक गृह्यता दर्शना या प्राकृतिक आपदा के कारण झारखण्ड के प्रवासी श्रमिक की गृह्यता/अशक्त होने पर उन्हें अपने घर तक लाने के लिए ₹50,000/- तक की राशि मुख्यमंत्री झारखण्ड प्रवासी श्रमिक दर्शना कोष से दी जाएगी
 - ◆ प्रवासी श्रमिक की दर्शना में गृह्यता या स्थायी रूप से अशक्त होने पर, दर्शना में दो अंग या दोनों आंख या अंग की हानि होने पर, दर्शना में एक अंग या आंख की हानि होने पर एवं दर्शना/प्राकृतिक आपदा में श्रमिक की गृह्यता/अशक्त होने पर पंजीकृत एवं अंपंजीकृत प्रवासी श्रमिकों को 75 हजार से दो लाख रुपये तक का भूगतान किया जाएगा।

अन्य सुविधाएं बन नोटाल बन राइल कार्ड के तहत देशभर में किसी भी स्थान पर प्रवासी श्रमिकों को राइल प्राप्त करने की व्यवस्था

रांची: रांची सिविल कोर्ट ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को निर्दोष करार दिया है। रांची सिविल कोर्ट के अपर न्यायायुक्त आसिफ इकबाल की कोर्ट ने संतोष कुमार साहू को सभी आरोपों से मुक्त करते हुए निर्दोष करार दिया है। संतोष कुमार साहू के खिलाफ एक नाबालिग से दुष्कर्म करने के आरोप में कांके थाना में कांड संख्या 155/2019 दर्ज किया था। जिसे सेशन ट्रायल में बदलकर पोक्सो की विशेष अदालत सनवाई कर रहा था।

आरोपी को डोरंडा पुलिस ने देवघर से किया गिरफ्तार



राष्ट्रीय ख्वाबर

रांचीः रांची के डोरंडा पुलिस ने देवघर रिहिया थाना क्षेत्र से एक ठग को गिरफ्तार किया है। आरोपी दुमका का रहने वाला है। उसका नाम अभियान सिंह उर्फ चंदन उर्फ सरफराज बताया जा रहा है। इस शातिर ने देवघर की कई महिलाओं को सस्ते दर पर राशन उपलब्ध करवाने के नाम पर लाखों की ठगी की आंजाम दिया है। लोगों का कहना हा कि ये भेली भाली महिला को भला-फुसलाकर कम कीमत पर राशन दिलवाने और इससे अधिक मुनाफा कमाने का प्रलोभन देता था। जिससे ज्यादा लाभ के लालच में फंसकर महिलाओं ने कर्ज लेकर आरोपी को पैसे दे दिए। शातिर ठग अभियान सिंह ने महिलाओं को 30 दिनों में पैसा को देगुना करने का लालच भी दिया था। इसी लोभ में आकर कई महिलाओं ने लाखों रुपए उसके

फर्जी कंपनी (ड्रीम फाउंडेशन) में निवेश कर दिया। महिलाएँ जब अपने पैसों की जांच करने के लिए उक्त स्थान पर पहुंची तो देखा कि अभियान सिंह अपने दफ्तर में ताला लगाकर फरार हो चुका है। उसका कोई अता-पता नहीं है। फिर आक्रोशित महिलाओं ने उसके ऑफिस पर धावा बोल दिया। इस घटना को लेकर सभी महिलाओं ने देवघर के एसपी को शिकायत की थी। आपको बता दें कि अभियान सिंह के खिलाफ रांची के डोरंडा थाने में भी फर्जी कर ठगी का मामला कई महिलाओं ने दर्ज कराया था। वह खुद को सीबीआई का अधिकारी बताते हुए कई महिलाओं से करोड़ों को ठगी अंजाम दे चुका है। इसी संबंध में रांची के डोरंडा थाने की पुलिस ने आरोपी पर मामला दर्ज कर के कार्रवाई कर रही थी। इसी बीच देवघर के रिहिया थाना से अभियान सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है।

झारखण्ड बिजली वितरण निगम की महिला समिति का सावन मिलन समारोह



A photograph showing a group of women dressed in traditional Indian sarees, primarily in shades of green, performing a synchronized dance or ritual. They are standing in a row, facing towards the right of the frame. The background features a large, leafy tree and a clear blue sky with a few clouds. The scene suggests a cultural or religious gathering.

प्रवासी श्रमिकोंके हाथ पल साथ संवेदनशील हेमन्त सरकार



गृह्य/अश्रु होने पर उन्हें अपने घट तक लाने के लिए ₹50,000/- तक



Journal of Nonlinear Science and Applications, Volume 12, No. 10, October 2019, 2000-2016

राज्य में काम करने जाने से पहले झारखण्ड सरकार के श्रमाधान पाटल <https://shramadhan.jharkhand.gov.in/> पर अपना निबध्नन जरूर करवाये।

અનુયોજન પરિભ્રાણ એવં કૌશલ વિકાસ વિભાગ રાજ્યપાદ્ધતિ સરકાર PR 305069 (Labour Employment and Training) 23-24